भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 936#

गुरुवार, 9 फरवरी, 2023/20 माघ, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर प्रदेश में पर्यटन विस्तार

936#. श्री मिथलेश कुमारः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार अन्य क्षेत्रों में पर्यटन का विस्तार कर रही है ताकि देश में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दिया जा सके;

(ख) उत्तर प्रदेश में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या आवश्यक कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गाइडों के लिए कोई पहल की है या कोई विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया है; और

(घ) देश में नए पर्यटन स्थलों के विकास/पहचान के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): पर्यटक स्थलों की पहचान, विकास और संवर्धन प्रमुख रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है । तथापि, पिछले कुछ वर्षों से पर्यटन मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश राज्य सहित देश में पर्यटन उद्योग के संवर्धन हेतु विभिन्न क्षेत्रों में पर्यटन का विस्तार करने के लिए कई कदम उठाए हैं । उपरोक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पर्यटन के विकास और संवर्धन के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों में निम्नलिखित शामिल हैं :

(i) देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना शुरू की। पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाते हुए, देश में स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) के रूप में स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया है ।

(ii) चिन्हित तीर्थ स्थलों के समेकित विकास के लिए तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद) योजना आरंभ की।

(iii) देश की समृद्ध विरासत और संस्कृति के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करने और नागरिकों को देश के भीतर यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से देखो अपना देश पहल शुरू की ।

(iv) अन्य निश थीमों में थीमैटिक पर्यटन जैसे निरोगता पर्यटन, पाक पर्यटन, ग्रामीण, इको-पर्यटन आदि का अन्य क्षेत्रों में भी पर्यटन के दायरे का विस्तार करने के लिए जोरदार रूप से संवर्धन किया जाता है । विभिन्न थीमों को हाइलाइट करने के लिए वेबसाइट www.incredibleindia.org के साथ-साथ पर्यटन मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से डिजिटल प्रचार भी किया जाता है ।

(v) बेहतर सेवा मानक प्रदान करने के लिए जनशक्ति के प्रशिक्षण और उन्नयन हेतु 'सेवाप्रदाताओं हेतु क्षमता निर्माण' (सीबीएसपी) योजना के तहत कार्यक्रमों का आयोजन ।

(vi) 24x7 टोल फ्री बहुभाषी पर्यटक हेल्पलाइन ।

(vii) 165 देशों के नागरिकों के लिए 5 उपश्रेणियों यथा ई-पर्यटक वीज़ा, ई-बिजनेस वीज़ा, ई-मेडिकल वीज़ा, ई-मेडिकल अटेंडेंट वीज़ा तथा ई-सम्मेलन वीज़ा के लिए ई-वीज़ा की सुविधा प्रदान करना ।

(viii) ई-वीज़ा का और अधिक उदारीकरण किया गया है और वीज़ा शुल्क में उल्लेखनीय कटौती की गई है ।

(ix) देश में एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्वतारोहण/ट्रैकिंग हेतु नई पर्वत चोटियां खोली गई हैं ।

(x) पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए 1001 रु. से 7500 रु. प्रति रात्रि के टैरिफ वाले होटल के कमरों पर जीएसटी को घटाकर 12% और 7501 रु. से अधिक के टैरिफ वाले कमरों पर जीएसटी को 18% कर दिया गया ।

(xi) पर्यटन मंत्रालय की सिफारिश पर नागर विमानन मंत्रालय द्वारा आरसीएस उड़ान योजना के तहत चिह्नित एयर लाइनों को 59 पर्यटन रूट सौंपे गए हैं जिसके लिए पर्यटन मंत्रालय ने वीजीएफ (व्यवहार्यता अंतराल वित्तपोषण) के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की है । अद्यतन स्थिति के अनुसार इनमें से 51 रूटों पर प्रचालन शुरू हो गया है ।

पर्यटन मंत्रालय अखिल भारतीय अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम चला रहा है जो एक डिजिटल पहल है जिसका लक्ष्य देश-भर में सुप्रशिक्षित और पेशेवर पर्यटक सुविधाप्रदाताओं/गाइडों के समूह के सृजन के उद्देश्य से एक ऑनलाइन

शिक्षण प्लेटफार्म तैयार करना है । यह प्रणाली अभ्यर्थियों के लिए मूलभूत, उच्च आईआईटीजी (विरासत और साहसिक), मौखिक भाषा और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रदान करती है । अभ्यर्थी इन ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को कहीं से भी और किसी भी समय तथा अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं । अतुल्य भारत पर्यटन सुविधाप्रदाता बेसिक कोर्स ऑनलाइन परीक्षा अब तक तीन बार आयोजित करवाई गई है जिसमें कुल 4438 अभ्यर्थियों ने आईआईटीएफ बेसिक परीक्षा उत्तीर्ण की है । आईआईटीएफ प्रमाणन कार्यक्रम के तहत, उम्मीदवारों को पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए कम से कम एक राज्य के लिए विशेषज्ञता पूरी करनी होगी । तथापि, व्यक्तिगत ज्ञान को बढ़ाने के लिए और अधिक राज्य मॉड्यूल शुरू किए जा सकते हैं, जो वैकल्पिक है और उत्तर प्रदेश राज्य के लिए भी लागू होता है । आईआईटीएफ पोर्टल पर भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) द्वारा आईआईटीजी (विरासत) पाठ्यक्रम भी शुरू किया गया है ।

*****